भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
मौसम केंद्र, शिमला

Government of India
Ministry of Earth Sciences
Meteorological Centre
Shimla

हिमाचल प्रदेश के लिए कृषि मौसम सलाह बुलेटिन

बुलेटिन क्रमांक स- 094/2021 जारी करने की तिथि: 23-11-2021
मंगलवार (दिनांक : 23-11-2021 से 27-11-2021 तक के लिए मान्य)

मौसम सारांश 16, नवंबर ,2021 से 22, नवंबर ,2021

पिछले सप्ताह, राज्य में मौसम शुष्क रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री कम रहा जबकि अधिकतम तापमान सामान्य रहे।

आगामी 72 घंटो के लिए राज्य वर्षण पूर्वानुमान

(अगले दिन के भा.मा.स. के अनुसार 08:30बजे तक मान्य)

दिनाक	मैदानी/ निचले पर्वतीय क्षेत्र	मध्य पर्वतीय क्षेत्र	उच्च पर्वतीय क्षेत्र
आज	मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा।	मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा।	मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा।
24 नवंबर	मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा।	मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा।	मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा।
25 नवंबर	मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा।	मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा।	मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा।

अगले दो दिनों के लिए मौसम का दृष्टिकोण(27 नवंबर, 2021 तक)

मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने की संभावना है।

चेतावनी : कुछ नहीं

आगामी पांच दिनों के लिए वर्षा का पूर्वानुमान(24 नवम्बर, 2021 से 28 नवम्बर ,2021)

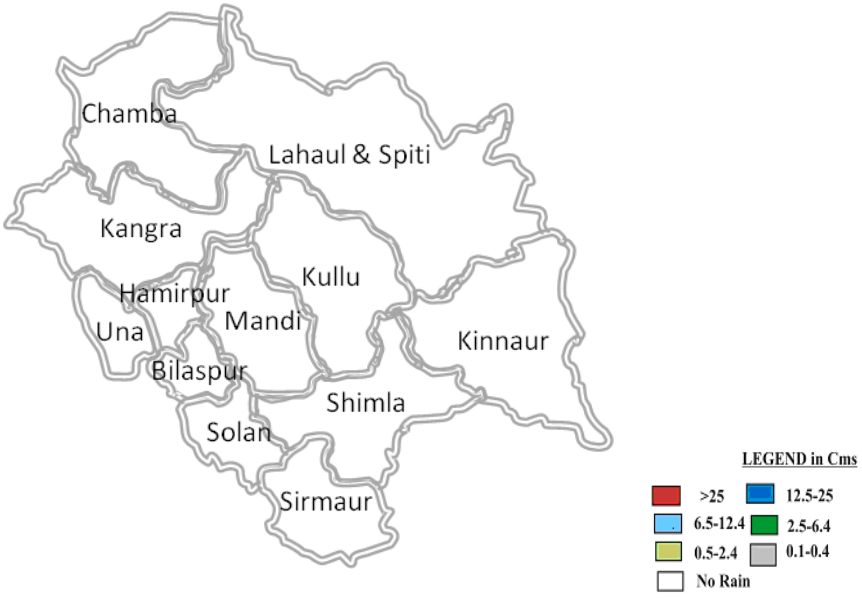

कोरोना (कोविड-19) की महामारी फैलाव से बचाव हेतु किसानो को सलाह है कि तैयार फसल की कटाई /गहाई तथा अन्य कृषि कार्य के दोरान भारत सरकार द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों,व्यक्तिगत स्वच्छता, मास्क का उपयोग, साबुन से उचित अन्तराल पर हाथ धोना तथा एक दूसरे से सामाजिक दूरी बनाये रखने पर विशेष ध्यान दे |

कृषि और बागवानी से संबंधित परामर्श:-

मुख्य फसलें :

फल उत्पादन -पौध संरक्षण:

नीची पर्वतियो क्षेत्रो में:

- किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गिरे हुए, क्षतिग्रस्त और सड़े हुए फलों को बागों से इकट्ठा करें और उन्हें एक गहरे गड्ढे में गाड़ दें ताकि बागों में किसी भी बीमारी को फैलने से रोका जा सके।
- सेब में 5% यूरिया पत्ती गिरने से पहले छिड़काव करें ताकि पौधे को अगले वर्ष बेहतर वृद्धि और विकास के लिए ऊर्जा और शक्ति मिले।
- कांकर रोग को नियंत्रित करने के लिए 200 लीटर पानी में 600 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड मिज।
- फलों की कटाई के बाद बागों को साफ सुथरा रखें।
- बागों में बारिश के पानी के ठहराव से बचें।
- फलों की कटाई और छंटाई, ग्रेडिंग और पैकेजिंग उसी के अनुसार की जाती है।
- किसानों को सलाह दी जाती है कि वे कीवी के बाग को साफ-सुथरा रखें और बेलों के घाटियों से खरपतवार हटा दें।
- ऊनी एफिड के हमले को नियंत्रित करने के लिए नवंबर के महीने में पौधे के मुख्य तने पर पीले रंग की चिपचिपी पट्टी का प्रयोग करें।
- समशीतोष्ण फलों के एक नए रोपण के लिए एक लेआउट तैयार करें और 1x1x1 मीटर आयाम के गड्ढे खोदें और उचित धूप प्राप्त करने के लिए कम से कम 15-20 दिनों के लिए गड्ढों को छोड़ दें।

मध्य पर्वतियो क्षेत्रो में:

- किसानों को सलाह दी जाती है कि वे राज्य के मध्य और उच्च पहाड़ियों में उगने वाले पके सेबों को काटकर बाजार में भेजें।
- अल्टरनेरिया लीफ स्पॉट रोग के हमले को नियंत्रित करने के लिए 200 लीटर पानी में मेटिराम 55% + पाइराक्लोस्ट्रोबिन 5% डब्ल्यूजी @ 200 ग्राम का छिड़काव करें।
- समशीतोष्ण फल: काट-छाँट: फफूंद संक्रमण से बचने के लिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे टूटी हुई या कटी हुई शाखाओं के कटे हुए सिरों पर बोर्डो पेस्ट लगाएं।

उच्च पर्वतियो क्षेत्रो में

- सेब में पपड़ी रोग को नियंत्रित करने के लिए मौसम साफ होते ही प्रोपीनेब 600 ग्राम या डोडीन 150 ग्राम या मैनकोजेब 600 ग्राम 200 लीटर पानी में मिलाकर स्प्रे करें। नोट: डोडीन को किसी भी कीटनाशक, विकास नियामकों या अन्य पौधों के विकास के साथ न मिलाएं
- यदि सेब परिपक्व और अच्छे रंग के हो गए हैं तो सेबों की कटाई का काम शुरू करें और सेब की ग्रेडिंग , पैकिंग और मंडियों में भेजने का काम भी जारी रखें।

चाय:

- गुणवत्ता और उत्पादकता बनाए रखने के लिए 8-10 दिनों के अंतराल पर चाय लेने की सलाह दी।
- चाय के बागानों में छायादार पेड़ों को काटने की सलाह दी जाती है।
- छायादार और उच्च आर्द्र क्षेत्रों में ब्लिस्टर ब्लाइट के हमले के लिए मौसम अनुकूल है, एहतियाती उपाय के लिए कैलिक्सिन @ 0.2% या फोलिक्योर 0.1% स्प्रे करें और यदि हमला गंभीर है तो 15 दिनों में ब्लाइटॉक्स 0.3% के वैकल्पिक स्प्रे के साथ सात दिनों के अंतराल पर स्प्रे दोहराएं।

ग्रीष्म ऋतू की फासले:

धान :

- जिले के अधिकांश हिस्सों में धान की फसल कटाई के लिए तैयार है।
- कटाई का सही चरण वह है जब फूलगोभी सुनहरे पीले रंग में बदल जाते हैं।
- अनाज को बिखरने से बचाने के लिए फसल तैयार होते ही काट लें।
- कटी हुई सामग्री को थ्रेसिंग से पहले 2-3 दिनों के लिए खेत में सुखाना चाहिए |
- मौसम पूर्वानुमान के अनुसार धान की फसल में कटाई के कार्य को पुनर्निर्धारित करें।

मक्का :

- निचले क्षेत्रों में, मक्का फसल के लिए तैयार है, उचित अनाज नमी पर उचित धूप में सुखाने के बाद।
- मक्के की कटाई के बाद घुन के हमले से बचने के लिए अनाज को 12% नमी पर स्टोर करें।

रबी की फसलें

- रबी की फसल की बुवाई से पहले खेतों की सफाई के बाद सड़ी हुई एफवाईएम या खाद को फसलों की बुवाई से पहले डालें क्योंकि यह मिट्टी के भौतिक और जैविक गुणों में सुधार करता है और इस प्रकार जल धारण क्षमता के साथ-साथ पोषक तत्वों की स्थिति को बढ़ाता है।
- सरसों की बुवाई की सलाह दी। गोभी सरसों, अलसी बोई जा सकती है।
- चना और मसूर की बुवाई निचले क्षेत्रों में पूरी कर लेनी चाहिए।
- निचले क्षेत्रों में गेहूं की जल्दी बुवाई करने की सलाह दी।
- गेहूँ की अगेती बोई जाने वाली किस्मों की बुवाई की जा सकती है।
- बुवाई से पहले बीज को अच्छी तरह से साफ कर लेना चाहिए।
- सूखे और छोटे गेहूँ के दाने और खरपतवार के बीजों को हटा देना चाहिए।

गेहूं:

- निचले क्षेत्रों में गेहूं की बुवाई की सलाह दी जाती है | बुवाई से पहले बीज को अच्छी तरह से साफ और ग्रेडिंग कर लेना चाहिए। सूखे और छोटे गेहूं के दाने और खरपतवार के बीज हटा दिए जाने चाहिए।
- गेहूं की खेती के लिए यह सबसे अच्छा समय है इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे बुवाई के लिए जाएं|
- बिजाई से पहले 2.5 ग्राम / किग्रा बीज की दर से बाविस्टिन से बीज का उपचार करें। पूरा आवेदन करें
- यूरिया के 50 प्रतिशत के साथ एसएसपी (20 किग्रा/बीघा), एमओपी (5 किग्रा/बीघा) की मात्रा (7कि.ग्रा./बीघा) बुवाई के समय गोबर की खाद के साथ शेष आधी मात्रा यूरिया ताज की जड़ की शुरुआत या पहली बारिश होने पर दिया जाना चाहिए
- गेहूं @ 8-10 किग्रा/बीघा बीज दर। वे HPW जैसी किस्मों की बुवाई के लिए जा सकते हैं- एचपीडब्ल्यू-368, डब्ल्यूएच-1105 और एचडी-3086। बुवाई से पहले उन्हें बीज के लिए सलाह दी जाती है
- 2.5 ग्राम/किलोग्राम बीज दर की दर से बाविस्टिन से उपचार करें।
- किसानों को गेहूं की फसल की बुवाई के लिए सलाह दी जाती है क्योंकि नवंबर के पहले पखवाड़े में गेहूं की फसल की बुवाई का इष्टतम समय होता है।
- यदि किसी भी किसान को बुवाई के साथ छोड़ दिया जाए तो 2-3 दिन के भीतर गेहूं की बुवाई पूरी कर दें।
- फसलों की बुवाई से पहले विघटित एफवाईएम या खाद डालें क्योंकि यह भौतिक सुधार करता है और मिट्टी के जैविक गुण और इस प्रकार जल धारण क्षमता को भी बढ़ाता है ,मिट्टी की पोषक स्थिति के रूप में।
- अधिकतम उपज प्राप्त करने के लिए, बीज दर 100 किग्रा/हेक्टेयर की सिफारिश की जाती है।
- गेहूं की उचित नमी, समय पर बोई जाने वाली किस्म HPW-236, HPW-349, HPW-368 और HS-562 में बुवाई करें। बिजाई 22 सें.मी. के फासले पर 100 किग्रा./हेक्टेयर की दर से करें।

दलहन:

- किसानों को अरकेल किस्म के मटर की बुवाई के लिए सलाह दी जाती है, दूरी: 60X7.5 सेमी
- किसानों को मटर की मुख्य मौसम की फसल की बुवाई करने की सलाह दी जाती है।
- अनुशंसित किस्में जीएस-10, एएस-10, हिम पालम मटर-1, एसपी-6 आदि हैं।
- दलहन फसल फसल के लिए तैयार है, उचित धूप में सुखाने के बाद उचित अनाज नमी पर स्टोर करें।
- अगेती मटर के लिए खेत की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए और किसानों को सलाह दी जाती है कि वे इसकी व्यवस्था करें गुणवत्ता बीज।
- बुवाई से पहले बीज को बाविस्टिन 50 डब्ल्यूपी (2.5 ग्राम/किलोग्राम बीज) से उपचारित करें

अनाज भण्डारण:

- भंडारण से पहले अनाज को सही नमी स्तर तक अच्छी तरह से सुखाया जाना चाहिए।
- पिछली फसल के सभी अनाज और अन्य भंडारण सामग्री को हटाकर गोदामों को ठीक से साफ किया जाना चाहिए।

चारे की फसले :

- घास बनाने की प्रक्रिया शुरू कर देनी चाहिए और फूल आने से पहले घास को काटा जा सकता है और धूप के दिनों में सुखाया जा सकता है।
- चारा फसलों जैसे जई और ल्यूसर्न की बुवाई की सलाह दी जाती है।

बाजरा:

- थ्रेसिंग का काम करें और अनाज को सूखी जगह पर रख दें।
- कटे हुए सूखे जौ के पौधों को इकट्ठा करके एक सूखी जगह पर रख दें।

कद्दूवर्गीय सब्जियां:

- सब्जी फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- हानिकारक कीटों को नष्ट करने के लिए लाइट ट्रैप का प्रयोग करें।इसके लिए प्लास्टिक के टब या बड़े बर्तन में पानी और थोड़ा मिट्टी का तेल या कुछ मिलीलीटर कीटनाशक मिलाकर एक बल्ब जलाकर रात के समय खेत के बीच में रख दें।

- प्रकाश से कीड़ों को आकर्षित करने से वे उसी घोल पर गिरेंगे और मर जाएंगे।
- फूलगोभी के अवशेषों की पत्तियों को इकट्ठा करके एक खाद गड्ढे में विघटित करना चाहिए। कटाई के बाद बढ़ते खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए शाकनाशी स्प्रे और खेत की जुताई करनी चाहिए।

टमाटर, गोभी, ब्रोकोली, फूलगोभी, प्याज:

- मध्य पहाड़ियों में जहां फूलगोभी की नर्सरी 26-28 दिन पुरानी है, वहां सभी कोल फसलों और अनुशंसित किस्म की फूलगोभी (पूसा सेनावल के-1) की रोपाई के लिए जाएं।
- रिक्ति: 45X45 सेमी
- फूलगोभी और अन्य कोल फसलों में टिड्डी (तेला) कीट के हमले को नियंत्रित करने के लिए पानी के 15 एल में मैलाथियान 50% ईसी @15 मिलीलीटर स्प्रे करें
- किसानों को प्याज की फसल की नर्सरी बुवाई करने की सलाह दी जाती है।
- अनुशंसित किस्में पालम लोहित, एग्रीफाउंड डार्क रेड, एग्रीफाउंड लाइट रेड आदि हैं।
- मध्य पहाड़ी और निचले क्षेत्र में पॉली हाउस में मध्य मौसम फूलगोभी और गोभी की नर्सरी बोने की सलाह दी और खेतों में अगेती फूलगोभी और गोभी नर्सरी की रोपाई की सलाह दी।
- किसानो को सलाह दी जाती है की पत्तागोभी, फूलगोभी और ब्रोकोल्ली की पनीरी तैयार करें |

अदरक,लहसुन हल्दी,कैल्कोकेशिया और हाथी पांव और पत्तेदार सब्जियां:-

- किसानों को खेतों में लहसुन बोने की सलाह दी जाती है
- रिक्ति: 20X10 सेमी
- बीज दर: 40-50 किग्रा / बीघा
- किसानों को सड़े हुए एफवाईएम के साथ अच्छी तरह से तैयार खेतों में लहसुन की फसल की बुवाई करने की सलाह दी जाती है।
- अनुशंसित किस्में हैं जीएचसी-1, सोलन चयन,
- फसल की वनस्पति वृद्धि के दौरान 8-10 दिनों के अंतराल पर सिंचाई लागू करें।

Berseem

- रबी मौसम के चारे के लिए बरसीम, लुसर्न और जई की बुवाई करने की भी सलाह दी जाती है।
- गोभीसरसन के बीजों को मिलाकर पहली कटाई के दौरान चारे का पौष्टिक उत्पादन करें। मक्के के अतिरिक्त चारे से साइलेज तैयार करें ताकि दुबली अवधि के दौरान चारे की आवश्यकता को पूरा किया जा सके, खासकर दिसंबर और जनवरी के महीने में।

आलू:

- आलू के कंदों की कटाई के लिए उपयुक्त समय जहां कटे हुए तने सूख गए हैं।
- कटे हुए आलू के कंदों को त्वचा को सख्त बनाने के लिए एक सप्ताह तक छाया में रखना चाहिए।
- आलू को बाजार में भेजने से पहले उसकी ग्रेडिंग कर लें.

मूली, शलजम, गाजर, पालक, मेथी:

- किसानों को मूली, शलजम, गाजर, पालक और मेथी की बुवाई करने की सलाह दी जाती है।
- मध्य पहाड़ी क्षेत्र में चीनी गोभी की नर्सरी और सीधी बुवाई
- मूली, गाजर, ब्रोकली, सलाद पत्ता खाने की सलाह दी जाती है।
- बीज को कवकनाशी, कैप्टन या थीरम @ 2.0 ग्राम/किलोग्राम और उसके बाद फसल-विशिष्ट राइजोबियम कल्चर से उपचारित करना चाहिए।
- गुड़ और पानी के घोल को उबालने के बाद ठंडा होने दें और फिर बीज निकाल दें
- राइजोबियम के साथ अच्छी तरह मिलाना चाहिए।
- मिश्रण को छाया में सूखने देना चाहिए।
- यह अत्यधिक अनुशंसा की जाती है कि उपचारित बीजों को 24 घंटे के उपचार के बाद बोया जाना चाहिए।

पाली होउस खेती :

- तापमान नियंत्रण के लिए साइड और टॉप को खोलें।
- बारिश के दौरान ऊपर और साइड बेंट को बंद कर देना चाहिए।
- पॉलीहाउस में सफेद मक्खी व घुन के आने की आशंका : पॉलीहाउस में इन कीटों के नियंत्रण के लिए स्पाइरोमेसिफेन 22.9 एससी @ 1 मि.ली./लीटर का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है।
- छिड़काव के एक सप्ताह बाद सब्जियों की कटाई करने की सलाह दी जाती है।
- मध्य पहाडियों में पॉली हाउस में मध्य मौसम फूलगोभी और गोभी की नर्सरी बोने की सलाह दी और निचले क्षेत्र और अगेती फूलगोभी और गोभी की नर्सरी को खेतों में रोपने की सलाह दी जाती है ।
- टमाटर में परिपक्व फलो की टुडे करीं|
- ठण्ड की चोट को रोकने के लिए पोल्य्हौसे को बंद रखना चाहिए और पोलिहाउस का तापमान भी बनाये रखें |

मशरूम –पैदाबार:

- सफल खेती के लिए कमरे का तापमान 18-22oC और सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 85% बनाए रखें।
- फंगल रोग: बाविस्टिन @.05%
- मशरूम की खेती के लिए, कमरे का तापमान 22-24 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए, तक 80-85% आद्रता बनाये रखने के लिए पानी का छिडकाव करें |
- जब बटन मशरूम में फलां होता है तो कमरे के तापमान को बनाये रखता है |

कृषि वानिकी:

- तूनी, कचनार, आंवला, शहतूत और रीठा का रोपण भी किया जा सकता है।
- पॉलीथिन बैग में उगाए गए पेड़ पौधों को खेतों में स्थानांतरित किया जा सकता है

पुष्प उत्पादन :

- अंतरसांस्कृतिक संचालन और निराई करना।
- नियंत्रण स्प्रे ओमाइट, पाइरोमाइट 1 मिली प्रति लीटर पानी और डाइकोफोल 2 मिली या स्पाइरोमिफेन 22.9 एससी @ 1 मिली प्रति लीटर पानी के लिए कार्नेशन में घुन की भी उम्मीद है।
- गेंदे के झुलसा रोग में नियंत्रण स्प्रे बाविस्टिन 2 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव अपेक्षित है।
- गुलाब में एफिड्स की उपस्थिति के लिए मौसम अनुकूल है, नियंत्रण के लिए डाइमेथोएट @ 1 मिली प्रति लीटर पानी में स्प्रे करें।
- कार्नेशन में पूरी पिंचिंग और डंठल करना चाहिए।
- गुलाबों में हरी भृंग के नियंत्रण के लिए अनुशंसित रसायनों और खुराक का छिड़काव करें।

पशुपालन मवेशी

- किसानों को सलाह दी जाती है कि पशुओं के लिए दानेदार भोजन में प्रतिदिन 50 ग्राम विटामिन ई @ 50 ग्राम मिलाएं।
- पशुओं में अपरा रोग को नियंत्रित करने के लिए उन्हें सूखी और हरी घास का मिश्रण दें।
- फ्रेमर्स को सलाह दी जाती है कि बच्चों को रात के समय बोरे से ढककर ठंड से बचाएं और दिन के समय थोड़ी धूप दें।
- दिन के समय पशुओं को सीधी धूप में न बांधें।
- जानवरों को उच्च तापमान के तनाव से बचाने के लिए दिन में 2-3 बार उनके शरीर पर पानी के छींटे मारें। किसान गाय, भैंस और बकरी जैसे दुधारू पशुओं को संतुलित आहार देते रहें।
- नवजात बछड़ों में गुलाबी नेत्र रोग के हमले के लिए मौसम उपयुक्त है,
- नियंत्रण के लिए उबले हुए पानी में 1% बोरिक एसिड का घोल बनाकर आंखों को धो लें
- तीन घंटे का नियमित अंतराल। सलाह दी जाती है कि इन दिनों जानवरों को लैंटाना न खाने दें।
- पशु शेड में बिस्तर/घास को सूखा रखा जाना चाहिए और प्रतिदिन बदला या हवा लगाना चाहिए।
- पशुओं को उनके भोजन के साथ आवश्यक नमक मिश्रण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जाना चाहिए।
- कमजोर और बीमार पशुओं को ठंड से बचाने के लिए उन्हें बोरी के कपड़े से ढक देना चाहिए। वहीं, रात के समय सभी जानवरों को एक ढके हुए आश्रय में बांधकर रखना चाहिए।

मुर्गीपालन-आहार:

- अपने पुराने झुण्डों को हर महीने गोल कृमियों से कृमि मुक्त कराना सुनिश्चित करें।
- पोल्ट्री हाउसों में उचित वेंटिलेशन सुनिश्चित करें।
- कुक्कुट घरों को ताजा कूड़े से बदलें और घरों को साफ रखें और पक्षियों को पीने का पानी सुनिश्चित करें।
- एहतियाती उपायों के लिए फार्मलाइन 40% @ 1 लीटर 9 लीटर पानी में खेत के बाहर या आसपास स्प्रे करें।
- पानी के साथ विटामिन ए और विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स प्रदान करें।
- पक्षियों के अंडे देने के लिए उचित स्थान सुनिश्चित करें और दिन के उजाले सहित 14 से 16 घंटे प्रकाश प्रदान करें। सामान्य फीडिंग शेड्यूल जारी रखना चाहिए और तनाव दिखने पर आहार में मिनरल को शामिल करना चाहिए।

मधु मक्खी पालन-सक्रिय –पोषण:

- तापमान गिर गया है और आगे गिरने की उम्मीद है, इसलिए सर्दियों की पैकिंग को तुरंत कॉलोनियों में दें
- नेक्टर के लिए कालोनियों की जाँच करें और मधु मक्खियों को कृत्रिम भोजन दें क्यूंकि इन दिनों फूलों की कमी हो जाती है |
- कॉलोनियों को साफ दिन मे सूरज की धुप में रखे|

मछली पालन:

- स्टॉक क्लियर करने का समय आ गया है। अब समय आ गया है कि पानी निकालकर फिश टैंक को कीटाणुरहित करें\
- और टैंक की निचली मंजिल को सीधी धूप मे उजागर करना

बागवानी

- पौधों के घाटियों को खरपतवारों से मुक्त रखें और अच्छी जल निकासी करें। कली संघ के नीचे दिखाई देने वाली नई वृद्धि में कटौती की जा सकती है। यदि पेड़ों पर दीमक का प्रकोप दिखाई देता है, तो क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी @ 3 मि.ली./लीटर का छिड़काव करें।
- साइट्रस प्रजाति के पौधों पर पर्ण कीट की निगरानी करें।
- अनार बटरफ्लाई के लिए क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5SC @ 0.4 मिली/ली या लैम्ब्डैसीहैलोथ्रिन 4.90CS @0.8 मिली/लीटर का छिड़काव करें।
- साइट्रस कैंकर के नियंत्रण के लिए रसायनों के अनुशंसित छिड़काव की सलाह दी।